# विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 4 से 10 अप्रैल 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 41 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार


## बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

परिवार की खुशी में गृहलक्ष्मी की भूमिका अत्याधिक महत्वपूर्ण होती है. जिस घर में सास-बहू मां-बेटी के रूप में आत्मीयता और प्रेम से रहती हैं, एक-दूसरे की खुशियों का ख्याल करती हैं, वहां सुख, सम्पत्ती और स्वास्थ्य के साथ यश रहता है. वैसे ही जिस घर में पुत्र-पुत्री पिता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं, वहां दरिद्रता कभी आ नहीं सकती है. जीवन में स्वयं पर भरोसा करें, मेहनत, समर्पण का भाव कभी निराश नहीं करता.

# शतप्रतिशत मतदान का संकल्प लें

## लोकतंत्र का यज्ञ, अच्छी सरकार तथा मजबूत लोकतंत्र के लिए है अत्यावश्यक

**विदर्भ स्वाभिमान,3 अप्रैल**

**नई दिल्ली/अमरावती-** देश में लोकसभा चुनाव की बयार बह रही है. भारत को पूरे विश्व में सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है. संविधान ने भारत के हर नागरिक को एक समान सरकार चयन का अधिकार दिया है. लेकिन मतदान के महत्व को लेकर जितनी जागरूकता चाहिए, वह थोड़ी कम दिखाई देती है. वर्ना मतदान का प्रतिशत शतप्रतिशत रहे तो यह लोकतंत्र का सबसे मजबूत रहने का सबूत होता है. इस बार के चुनाव में सभी को शतप्रतिशत मतदान का संकल्प करना चाहिए. इस आशय का आग्रह भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी सुदर्शन गांग ने किया है.

***लोकतंत्र की मजबूती में हर वोट की महत्वपूर्ण कीमत होती है.लोकतंत्र के यज्ञ रूपी चुनाव में हर मतदाता को आहुति देते हुए देश में बेहतरीन सरकार के साथ ही मजबूत लोकतंत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए. सक्षम, राष्ट्र को प्रथम प्राथमिकता देने वाले उम्मीदवारों को ही मतदान करते हुए राष्ट्र सेवा का परिचय देना चाहिए.***

**विदर्भ स्वाभिमान** जागरण अभियान

मतदान का मतदान लोकतंत्र की मजबूती, राष्ट्र के लिए समर्पित और बड़ा विजन रखने वाली सरकार का चयन होता है. कहते हैं कि जब हर व्यक्ति की लोकतंत्र में सहभागिता होती है तो निश्चित तौर पर बेहतरीन सरकार, बेहतरीन उम्मीदवारों का चयन होता है. इससे हमारा लोकतंत्र मजबूत होता है. भारतीय संविधान ने हर व्यक्ति को लोकतंत्र के चुनाव रूपी यज्ञ में मतदान का समान अधिकार दिया है. सभी भारतीयों को लोकतंत्र की मजबूती में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराने के साथ ही अधिकाधिक मतदान करते हुए इसकी मजबूती में योगदान देना चाहिए.भारत युवाओं का देश है, लोकतंत्र की मजबूती में सभी युवाओं का मतदान के रूप में योगदान देने का आग्रह भी किया. साथ ही शांतिपूर्ण, निष्पक्ष के साथ शतप्रतिशत मतदान वाला चुनाव बनाने का आग्रह किया.

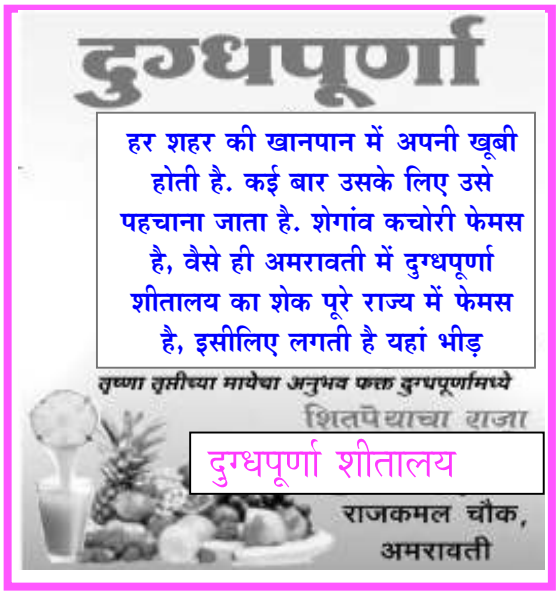

संपादकीय

# विकास और राष्ट्रधर्म को मिलना चाहिए साथ

*लोकसभा के चुनाव की घोषणा के साथ ही चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है. नामांकन प्रक्रिया तेजी से शुरू हो गई है. इसके बाद सोलह दिन तक अमरावती जिले में प्रचार तेज हो जाएगा. लेकिन चुनाव में शतप्रतिशत मतदान के साथ ही ऐसे उम्मीदवार को चुनने का प्रयास किया जाना चाहिए, जो राष्ट्र के प्रति समर्पित हो, लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास के साथ ही विकास और राष्ट्र भक्ति और लोगों की भावनाओं को समझे और उनकी समस्याओं का निराकरण करने के साथ ही जिले को विकास में भी आगे रखने के लिए जी-जान से प्रयास करे. देश में जिसे भी चुनें पूर्ण बहुमत के साथ चुनना चाहिए.क्योंकि बहुमत के अभाव में सरकार चलाते समय किस तरह की परेशानी होती है और छोटे-छोटे दलों द्वारा किस तरह का रवैया अख्तियार किया जाता है, यह देश ने इससे पहले देखा है. ऐसे में मतदान करते समय हर मतदाता को शतप्रतिशत मतदान के साथ ही पूरे देश में ऐसे बेहतरीन उम्मीदवारों का चयन करने का प्रयास किया जाना चाहिए, जो समाज, जनता तथा राष्ट्र के प्रति सदैव सकारात्मक सोच रखते हुए संसद में अच्छे नियम और कानून बनाने के लिए भी सदैव तत्पर रहें. वर्ना अक्सर ऐसे ही विधेयक बहुमत से पारित हो जाते हैं, जिसमें सांसदों के वेतन,भत्ते तथा अन्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी वाली बात रहती है. ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर जिस पर खेत की सुरक्षा की जिम्मेदारी डाली गई है, वह बाड़ ही अगर फसलों को खाने लगे तो क्या कहना. ठीक इसी तरह का माहौल देश में दिखाई देता है. संसद में सवाल पूछने के लिए भी आपत्ती जनक स्थिति अगर आती है तो निश्चित ही ऐसे लोगों को संसद में नहीं भेजने का अधिकार देश की आम जनता को चुनाव के माध्यम से मिलता है. चुनाव के समय मतदान का प्रतिशत कुछ स्थानों पर छोड़ दिया जाए तो बाकी स्थानों पर कई बार काफी कम रहता है. कम मतदान के कारण कई सीटों पर गलत लोगों का चयन भी हो जाता है. इसके बाद लोगों द्वारा चिल्ल-पों की जाती है लेकिन अब पछताय का होत है, जब चिड़िया चुग गई खेत. इसलिए विदर्भ स्वाभिमान का मानना है कि महान भारतीय संविधान ने हर भारतीय को सरकार तथा अपना संसद और विधानसभा के साथ ही स्थानीय निकायों में अपना प्रतिनिधि चुनने का हक दिया है, उस अधिकार का जब हम सही तरीके से इस्तेमाल करेंगे तो निश्चित तौर पर लोकतंत्र मजबूत होने के साथ ही राष्ट्र को एक विजन वाली और राष्ट्र धर्म को प्रथम प्राथमिकता देने के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने वाली, सभी को विकास का हिस्सा बनाने के साथ ही राष्ट्र के कल्याण और इसे प्रथम प्राथमिकता देने वाली सरकार मिलेगी. चुनाव के बाद फिर सरकार को कोसने की बजाय ऐसी सरकार का चयन करने का अपना अधिकार हर भारतीय को मजबूती से निभाना चाहिए.*

# कर्तव्यपरायण अधिकारी हैं सीपी

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

अमरावती शहर पुलिस आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी द्वारा पद्भार संभालने के बाद से जिस तरह से शहर में शांति व व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही असामाजिक तत्वों पर लगाम कसी गई है, वह निश्चित ही सराहनीय है. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले कर्मठ अधिकारी के रूप में वे पहचाने जाते हैं. हर विषय का गहन अध्ययन जहां उनकी खूबी है, वहीं वे कहते हैं कि सभी के सुधरने से पूरी व्यवस्था होती है. कई लोग यातायात नियमों का स्वयं भंग करते हैं और इस मामले में स्वयं ही चिल्लाने वाली मानसिकता रहती है. हम जिस दिन नियमों का पालन करते हैं, उसी दिन से व्यवस्था बदलने में सहयोग होता है. दंड की बजाय पुलिसिंग पर वे जहां ध्यान देते हैं, वहीं असामाजिक तत्वों के मामले में रियायत वाली बात नहीं रहती है. वे कहते हैं कि सभी को कानून का सम्मान करना चाहिए, सभी के सहयोग से ही व्यवस्था बदली जा सकती है. यंत्रणआ को जब जनता का साथ मिलता है तो वहऔर अधिक बेहतरीन तरीके से काम करती है. शहर पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी संभालने के बाद से वे लगातार बेहतरीन करने का प्रयास कर रहे हैं, इसमें सफलता भी मिली है. चुनाव के दौरान जिस तरह सेशहर पुलिस द्वारा बेहतरीन काम किया जा रहा है, अवैध धंधों के साथ ही असामाजिक तत्वों के खिलाफ उठाए जा रहे सख्त कदमों का असर दिखाई देने लगा है. आरोपियों पर लगातार नजर रखने के साथ ही चोरों -बदमाशों के खिलाफ जिस तरह से कठोर कार्रवाई की जा रही है, परेड कराई जा रही है और कुख्यातों को तड़ीपार करने का काम किया जा रहा है, स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रयासों के लिए जिलाधिकारी सौरभ कटियार, पुलिस आयुक्त एन. नवीनचंद्र रेड्डी के साथ ही जिला पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद सिंगूरी तथा सभी यंत्रणा की सराहना की जानी चाहिए. शतप्रतिशत मतदान प्रयास के साथ ही उनका कार्य सराहनीय है. आईपीएस अधिकारी के साथ ही जनता को राहत देने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले पुलिसि आयुक्त अनुशासनप्रिय एवं कर्मठ अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं. लोगों के विश्वास को सार्थक करने का काम वे कर रहे हैं. बिना किसी गाजाबाजा के वे अपने काम में तल्लीन जहां रहते हैं, वहीं दूसरी ओर अपराधियों के मामले में उनका रवैया सदैव सख्त रहता है. अमरावती शहर पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी संभालने के बाद जिस तरह से कानून का डंडा असामाजिक तत्वों पर चला रहे हैं, वह निश्चित ही सराहनीय है. उनका मानना है कि कानून सभी के लिए समान है. कानून का भंग करने वाला उनकी नजर में एक अपराधी है और उसके खिलाफ कार्रवाई करने में वे कभी भी संकोच नहीं करते हैं. उनके मुताबिक कानून का पालन करने वाले हर नागरिक का वे जहां सम्मान करते हैं, वहीं उसकी समस्या को निपटाने को प्राथमिकता देते हैं. स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी नागरिकों से सहयोग करने और अधिकाधिक मतदान करने का आग्रह भी वे करते हैं. प्रशासन द्वारा शतप्रतिशत मतदान के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी हम सराहना करते हैं.

# तनाव नहीं, प्यार देता है सुकून

विदर्भ स्वाभिमान जागरण अभियान

तनाव से उम्र कम होती है और खुशियों से बढ़ती है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आजकल के दौर में तनावही अधिक दिखाई देता है. ऐसे में जीवन को संवारने का काम खुशियों के माध्यम से किया जाना चाहिए. जीते तो सभी हैं लेकिन कुछ ही लोग खुशी वाला जीवन जीते हैं. ऐसे लोगों को सदैव दूसरों की चिंता रहती है. लोगों का जीवन आज कम हो रहा है. जबकि सुविधाएँ, वैद्यकीय सेवाएं बढ़ी हैं. लेकिन केवल ज़ीवन में तनाव ही ऐसा कारण बन गया है.जिंदगी वर्तमान में जितनी असुरक्षित हो गई है, तनावपूर्ण हो गई है, इतनी शायद ही कभी थी. लेकिन दुर्भाग्य की बात इस बात पर चिंतन नहीं हो पा रहा है कि आज सुविधाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ी हैं, जीवन काफी आरामदायी होने के बाद यह स्थिति क्यों पैदा हुई है, हर व्यक्ति अपने में परेशान है. कोई अच्छा है तो परिवार अच्छानहीं है,किसी का परिवार अच्छा है तो स्वार्थ और अपनेपन के कारण परिवार ही सिरदर्द का कारण बन रहा है. आदमी दिन भर तनाव वाली सोच के कारण परेशान है. ऐसे में तनाव के कारण हाई बीपी, शूगर के साथ कई बीमारियों की चपेट में आ गया है. ऐसे में बीमारियों ने शरीर पर कब्जा किया है. 26 साल के युवक का हार्ट फेल होना निश्चित ही चिंतनीय बात है. बच्चों का शिक्षा नीति ने बचपन छीन लिया है. हर व्यक्ति केवल आगे भागने की सोचता है, वह यह भूल जाता है कि खुशी का जीवन जीकर जब वह स्वस्थ रहेगा, तो भी अच्छा सोचेगा और खुश रहेगा और परिवार को भी खुशी बांटेगा. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज की स्थिति में इसके उल्टी वाली स्थिति है. यहां हर व्यक्ति परेशान है. किसी के चेहरे पर रौनक नहीं दिखाई देती है. इसका कारण वह खुद है. कोई घमंड के कारण लोगों से टूट रहा है तो कोई स्वयं को अत्याधिक श्रेष्ठ और बाकी को बेवकूफ समझने के कारण परेशान है. कुल मिलाकर परिवार का प्रेम तो स्वार्थपूर्ण हो गया है. जरूरत पड़ने पर आप जिनके लिए बहुत अच्छे होते हैं, गरज पूरा होने के बाद वही तुम्हे छोड़ते हैं. ऐसे में तनाव बढ़ना स्वाभाविक रहता है. परिवार की संस्कृति ही भारतीय संस्कृति की मूलाधार थी. आज बच्चे बिगड़ रहे हैं, युवाओं में व्यसन बढ़ रहा है, कोई किसकी सुनने की मानसिकता में नहीं है. लेकिन दुर्भाग्यवश इसकी चिंता किसी को नहीं है.

पहले कई रिश्ते परिवार संवारने का माध्यम होते थे. लेकिन आज हम दो हमारे दो वाली कल्पना ने जन्मदाता माता-पिता की जगह भी दिल से छीन ली है. ऐसे में यह तनाव का कारण बन रहा है. पहले लोग अपना दुःख-दर्द बांट लेते थे लेकिन आज संकोच करते हैं कि अपने ही बेटे-बहू और अपनों के दर्द को किससे कहें, इससे दिल पर लगातार बोझ बढ़ता है और बढ़ा हुआ बोझ हार्ट अटैक अथवा विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है. पहले कमाई कम थी लेकिन अपनापन, खुशियां बांटने का संतोष अधिक था. लेकिन आज स्वार्थ ने रिश्तों को खत्म कर दिया है. बच्चों का बचपन इस कदर शिक्षा ने छीन लिया है कि बचपन से ही माता-पिता के प्रति उनकी आत्मीयता खत्म हो जाती है और ऐसे ही बच्चे जब माता-पिता को बुढ़ापे में वृद्धाश्रम ले जाते हैं तो उन्हें दुख होता है लेकिन वे बच्चे को स्पर्धा में लाकर डाक्टर, इंजीनियर, बड़ा आदमी तो बनाने के लिए काम करते रहे लेकिन जीवन में कभी बच्चे को अच्छा संवेदनशील इंसान बनाने के लिए काम नहीं किया.परिवार का तनाव ही कई बीमारियों का कारण बन जाता है, इससे बचने का प्रयास करें.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

# समर्पित प्रयास देता है हमेशा बेहतरीन परिणाम

## डॉ.संतोष चिंचोळकर ने बनाया होम्योपैथी को रोजगारपूरक, सिंपथी रन फॉर होमियोपैथी रही यादगार दौड़

**विदर्भ स्वाभिमान,3 अप्रैल**

**अमरावती-** समर्पित तथा अच्छे भाव रखकर किया गया कोई भी काम बेहतरीन नतीजे देता है. इतना ही नहीं तो अभ्यास कभी बेकार नहीं जाता है. इस आशय का मत सुख्यात होमियोपैथी चिकित्सक और सिंपथी इन्स्टीट्यूट ऑफ होमियोपैथिक फार्मासी एन्ड पैरामेडिकल सायंस की अमरावती शाखा के संचालक डॉ. संतोष वा. चिंचोलकर ने किया. उनके मुताबिक होमियोपैथी में रोजगार की भी अपार संभावना को उन्हों ने जहां ढूंढ निकाला, वहीं दूसरी ओर संस्था के माध्यम से सैकड़ों युवाओं तथा सभी के लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया गया.

स्थानीय कृष्णार्पण कॉलोनी मुख्य मार्ग पर स्थिति सिंपथी इन्स्टीट्यूट ऑफ होमियोपैथिक फार्मासी एन्ड पैरामेडिकल सायंस महाराष्ट्र की पहली और एकमात्र ऐसी संस्था है, जो पूरे महाराष्ट्र में होमियोपैथी चिकित्सा के मजबूत पूरक के रूप में कार्य कर रही है. महाराष्ट्र में हर साल 60 होमियोपैथिक महाविद्यालयों के माध्यम से 5 हजार से अधिक डाक्टर तैयार होते हैं. लेकिन होमियोपैथी फार्मासी के मामले में अभी तक जितनी गंभीरता और विजन के साथ प्रयास किया जाना चाहिए था, वह प्रयास नहीं किया गया. इसी जरूरत को भांपते हुए तथा अपने बीस साल के इस क्षेत्र के गहन अनुभव को ध्यान में रखते हुए डॉ. चिंचोलकर दाम्पत्य ने इस तरह की सराहनीय पहल की. वे गर्व के साथ कहते हैं कि उनके इस प्रयास को अमरावतीवासियों ने व्यापक रूप से जहां सराहा, वहीं आज यह महाविद्यालय पूरे महाराष्ट्र में अपनी अमिट सरानीय और प्रशंसनीय छबि बनाने में कामयाब रहा है.

होमियोपैथी चिकित्सा को लेकर दुनिया का रूख तेजी से बदल रहा है. इसका श्रेय अगर किसी को जाता है तो वह इसके जनक डॉ. सैम्युअर हैनीमन को जाता है, जिन्होंने तमाम संशोधनों के आधार इस पैथी को विश्वस्तर पर न केवल लोकप्रियता दिलाई बल्कि इसके माध्यम से समूचे विश्व को स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति करने और अलौकिक स्वास्थ्य चिकित्सा प्रणाली देने का महान कार्य किया. इसीलिए उनका जन्मदिन 10 अप्रैल को विश्व होमियोपैथिक स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है. इसके माध्यम से होमियोपैथी के जनक को करोड़ों होमियोपैथी डाक्टरों द्वारा नमन किया जाता है. केन्द्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा घोषित और राष्ट्रीय होमियोपैथिक कमीशन द्वारा प्रेरित थीम प्रवीणता बढ़ाने और संशोधन सक्षम करने का संकल्प समूचे विश्व को दिया जा रहा है. इस पैथी को

अत्याधिक महत्व दिया जा रहा है. इस पैथी को भारतवर्ष में सर्वत्र यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की अध्यक्षता में विश्व होमियोपैथी दिवस का आयोजन किया गया है. इससे यह साबित होता है कि इस पैथी को आने वाले दिनों में सरकार के साथ ही पूरा विश्व किस तरह महत्वपूर्ण मान रहा है.

इस पैथी को सदैव महत्व देने के साथ ही इसे लोगों से जोड़ने का प्रयास डॉ. संतोष वा. चिंचोलकर द्वारा लगातार किया जा रहा है. भारत में पहली बार सिंपथी इन्स्टीट्यूट ऑफ होमियोपैथिक फार्मासी एन्ड पैरामेडिकल सायंस द्वारा महाराष्ट्र में पहली बार 2023 में रन फॉर होमियोपैथी का शानदार और भव्य आयोजन किया गया था. इसमें तत्कालीन महापौर चेतन गावंडे, डीसीपी विक्रम साली के साथ ही जानी-मानी हस्तियों के साथ ही लगभग 500 से अधिक होमियोपैथी डाक्टरों ने इसमें सहभाग लिया था. यह नजारा अमरावती के इतिहास में इस पैथी के लिए अभूतपूर्व था. जिसकी सराहना सभी ने की थी. इस साल भी प्रयास था लेकिन चुनावी आचार संहिता के चलते यह नहीं हो पा रहा है. लेकिन डॉ. चिंचोलकर ने विश्वास जताया कि आगामी समय में इस प्रयास को सदैव बरकरार रखने और उसमें उत्तरोत्तर वृद्धि का उनका प्रयास रहेगा.सिंपथी के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार का शानदार मौका उपलब्ध कराया गया है. हजारों होमियोपैथी डाक्टरों के लिए होमियो फार्मासिस्ट की जरूरत है. इस अभ्यासक्रम के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का मौका डॉ. चिंचोलकर ने इस संस्था के माध्यम से उपलब्ध कराया है. अधिकाधिक युवाओं से इस अभ्यासक्रम के माध्यम से जीवन संवारने और वैद्यकीय क्षेत्र के माध्यम से समाज तथा राष्ट्र की सेवा में योगदान देने का आग्रह भी किया है. इसकी अपार संभावना पूरे देश में है, इससे कोर्स करने के बाद कभी भी होमियोपैथी फार्मासी शुरू की जा सकती है. साथ ही सरकारी नौकरी का भी मौका है.

### क़ोरोना में निभाई थी महायोद्धा की भूमिका

कोरोना महामारी ने जब पूरे विश्व को परेशान कर दिया था, उस समय डॉ. चिंचोलकर ने अमरावतीवासियों की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. घरेलू नुस्खे के माध्यम से जहां उन्हों ने होमियोपैथी को जनजागृति के माध्यम से अपार लोकप्रियता दिलाने का प्रयास किया था, वहीं इस माध्यम से हजारों मरीजों को ठीक करने तथा इस उपचार प्रणाली से हिम्मत बंधाने का महत्वपूर्ण कार्य किया. कोरोना महामारी के दौरान रेलवे, नगर परिषद, एसआरपीएफ अमरावती, बडनेरा रेलवे, जिला कोविड केन्द्र, जिला औद्योगिक केन्द्र, जिला खादी ग्रामोद्योग, अमरावती आयकर विभाग, अमरावती बिजली विभाग, संत गाड़गेबाबा अमरावती विद्यापीठ, पेट्रोल पंप और हीलर्स संस्था और सिंपथी द्वारा पचास हजार बॉटल को जिलाधिकारी कार्यालय तथा कोविड कंटेनमेंट झोन में भी वितरण के लिए प्रदान किया गया था. इसकी सराहना तत्कालीन जिलाधिकारी ने भी की थी. लगभग 4-5 लाख लोगों की मदद का सराहनीय कार्य किया गया था. इसके अलावा सिंपथी द्वारा रोजगार पूरक अभ्यासक्रम के साथ ही सामाजिक दायित्व की भावना से स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों को सदैव सहयोग देने तथा स्वास्थ्य सुविधाएं देने का प्रयास किया जाता है. यह प्रयास भविष्य में इसी तरह शुरू रखने का मानस डॉ. संतोष चिंचोलकर ने जताया और सभी के समर्थन के लिए कृतज्ञता भी जताई.

## विनम्र पुष्पांजलि, आपके चरणों में नतमस्तक हैं....

श्रद्धानत- सुदर्शन गांग परिवार,बडनेरा

# मानव सेवा है सबसे बड़ी ईश्वर सेवा-अभिषेक पंजापी

**प्रतिनिधि, 3 अप्रैल**

**अमरावती-** मानवता की सेवा से बड़ी ईश्वर सेवा नहीं हो सकती है. इसलिए प्रभु द्वारा बनाए गए हर इन्सान की सेवा का भाव रखने के बाद अपार खुशी होती है. इसलिए हर व्यक्ति से जितना बन पड़े, सेवा करने का काम करना चाहिए. इस आशय का मत युवा समाजसेवी, व्यवसायी अभिषेक पंजापी ने किया. परिवार के आदर्श मान्यवरों की याद में गुरूवार हनुमान जन्मोत्सव पर भीषण गर्मी में प्यास बुझाने के प्याऊ के लोकार्पण की पूर्व संध्या पर विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार के बुजुर्गों ने सदैव उन्हें तथा सभी युवाओं को मानवता की सेवा करने की सीख दी है. माता-पिता के भक्त अभिषेक पंजापी के मुताबिक मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं हो सकती है. इसलिए जितना संभव हो, हर व्यक्ति को अपने स्तर पर मानवता की सेवा का प्रयास करना चाहिए.मानवता की सेवा को लेकर सदैव प्रयास करने के साथ ही गर्मी के दिनों में पशु-पक्षियों के लिए पानी तथा अन्य सुविधाओं का प्रयास करना चाहिए. इससे मन को सुकून मिलने की बात कही.

इस पर वे अमल करने का प्रयास करते हैं. माता-पिता से ही आदर्श संस्कार मिले हैं. उनके मुताबिक जीवन में जितना संभव हो सके, मानवता की सेवा में सभी को योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. सांसद सौ. नवनीत राणा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनकी सभी चाहते पूरी होने की कामना की है. अभिषेक पंजापी के मुताबिक जीवन में हर व्यक्ति को अच्छाई का साथ देने के साथ ही सदैव यह प्रयास करना चाहिए कि वह कितने लोगों की मदद अपने माध्यम से कर सकता है. इस तरह की मदद करने वाले को कभी जीवन में परेशानी नहीं होती है. ऐसे में हर व्यक्ति को मानवता की सेवा में रत रहना चाहिए

# भक्तिभाव से किया प्रयास बेकार नहीं जाता

## ज़ुड़वा नगरी में शानदार आयोजन बनाएगा रिकार्ड, भक्तिभाव में डूबेंगे लाखों लोग

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

### शाकाहार को बढ़ावा देना है जरूरी

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक ज़ीवन में शाकहार को अत्याधिक महत्व देना चाहिए. जैसा भोजन वैसा मन होता है. इस पर सभी को ध्यान देने की सीख देते हैं. मानवता तेजी से घट रही है. यही कारण है कि सर्वत्र अनाचार वाली स्थिति है. ऐसे में यह जरूरी है कि हम सभी कुछ न कुछ ऐसा करें, जिससे जीवन में खुद भी खुश रहें और संपर्क में आने वाले लोगों को भी खुश रखने का प्रयास करें.ऐसे में कोशिश करना चाहिए कि हम सदैव नेकी के साथ जिएंगे. जुड़वा नगरी में होने वाली शिव महापुराण कथा निश्चित तौर पर जुड़वा नगरी की शान बढ़ाने के साथ ही इतिहास रचने का विश्वास जताया.

### बुराई बिना असर नहीं रहती है

**अचलपुर-** अमरावती में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के बाद परतवाडा में सुख्यात व्यवसायी जयस्वाल बंधुओं द्वारा 5 से 11 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा क़ी तैयारियां जहां तेजी से की जा रही हैं, वहीं इसमें भी लाखों भक्त उमड़ने की संभावना है. पूज्य प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जीवन में किसी को दुख नहीं देना पुण्य है और किसी को दुख देने से बड़ा पाप नहीं हो सकता है. केवल जितना हो सके, अच्छा काम करने का प्रयास करना चाहिए. प्रभु सदैव साथ देते हैं. जीवन में की गई अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती है और किया गया बुरा काम कभी बिना बुरा असर किए नहीं रहता है. जुड़वा शहर में भव्य पैमाने पर शिव महापुराण होने और इसमें संभाग से लाखों भक्त उमड़ने की संभावना जताई जा रही है. भवय कथा मंडप के साथ ही भक्तों के लिए यहां पर विभिन्न तैयारियां की जा रही हैं. कथा आयोजकों के साथ ही प्रशासन द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है. भक्तों के बैठने की व्यवस्था से लेकर गाड़ीयों की पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियों पर विस्तार से विचार किया जा रहा है. इसके लिए समय-समय पर यहां पर बैठकें भी हो रही हैं. प्रहार प्रमुख विधायक बच्चू कडू स्वयं इस मामले में अत्याधिक सक्रिय दिखाई दे रहे हैं. उनके कारण कथा जहां सफल रहेगी, वहीं प्रशासन द्वारा भी हरसंभव सहयोग इस काम में किया जा रहा है. 29 समितियों का गठन करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय की गई.पुलिस प्रशासन के साथ ही सभी द्वारा कथा की तैयारियों में योगदान दिया जा रहा है.

### भगवान ऐसा परिवार दे

ज़ीवन की खुशियां तो खुशियां औरों को बांटने से बढ़ती है. ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि दयालुता की भावना को बढ़ावा देने के साथ ही हर जीव,जंतु और इन्सान के प्रति आत्मीयता और प्रेम का भाव रखें . यह भावना जब हम रखते हैं तो निश्चित तौर पर हमारी खुशियां बढ़ती हैं. खुशियों का संबंध स्वास्थ्य से होता है. आज खुशियों से जलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. इसके कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और हमारी खुशियां भी हम नहीं मना पा रहे हैं. हमें यह सोचने की जरूरत है कि जब हम खुशीं बांटेंगे तो वह बढ़कर मिलेगी.

विदर्भ स्वाभिमान

### विदर्भ स्वाभिमान

**माता-पिता का प्यार कभी कम नहीं होता है. यही कारण है कि माता-पिता को दिल में रखने वाली औलाद कभी परेशान नहीं होती है. माता-पिता की खुशियों का सदैव ख्याल रखना चाहिए. तभी आप जीवन में कठिन रास्ता पर पार कर पाएंगे और जीतते जाएंगे.**

#### जरूरी नम्बर टोल फ्री

| | |
|---|---|
| विद्युत सेवा | 1912 |
| पुलिस सेवा | 112 |
| अग्नि सेवा | 101 |
| एम्बुलेंस सेवा | 102 |
| यातायात पुलिस | 103 |
| आपदा प्रबंधन | 108 |
| चाइल्ड लाइन | 1098 |
| रेलवे पूछताछ | 139 |
| भ्रष्टाचार विरोधी | 1031 |
| रेल दुर्घटना | 1072 |
| सड़क दुर्घटना | 1073 |
| सीएम सहायता लाइन | 1076 |
| क्राइम सहायता | 1090 |
| महिला सहायता लाइन | 1091 |
| पृथ्वी भूकम्प | 1092 |
| बाल शोषण सहायता | 1098 |
| किसान काल सेन्टर | 1551 |
| नागरिक काल सेन्टर | 155300 |
| ब्लड बैंक | 9480044444 |

# सबका साथ, सबका विकास को बनाया है सिद्धांत

## जन्मदिन 6 अप्रैल पर विशेष, सादगी सभी को भाती है

**अमरावती** - जिले का नाम दिल्ली के माध्यम से पूरे विश्व में चमकाने वाली और विकास के साथ ही जनभावनाओं की कद्र करने वाली सांसद के रूप में नवनीत राणा का उल्लेख किया जाता है. सादगी, गरीबों, किसानों तथा सभी वर्गों की मदद के लिए तत्पर के साथ जिले के विकास में अग्रणी रखने वाली सौ. नवनीत राणा को 6 अप्रैल को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें और जनता की सेवा इसी तरह सदैव करती रहीं और अमरावती का नाम चमकाती रहें, यही कामना. आज नेताओं को लेकर लोगों में नाराजी अक्सर देखी जाती है, वे पहली ऐसी सांसद हैं जिन्हें बेहतरीन इन्सान के रूप में सभी सम्मान देते हैं. वे कहती हैं कि जनता का जितना प्यार उन्हें मिला है, उसके लिए वे स्वयं को भाग्यशाली मानती हैं. काम को ही सदैव महत्व देने वाली सौ. नवनीत राणा के मुताबिक वे जनता को ही अपना गॉडफादर मानती है. इसलिए उनकी समस्या केनिराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहती हैं. उनका कहना है कि अच्छा करने वाले का कभी बुरा नहीं होता है.

देश में आज सबसे अधिक नाराजी नेताओं को लेकर नागरिकों में रहती है. नेता भी किसी न किसी घोटाले अथवा अन्य गलत कामों में लिप्त रहने के कारण उनकी प्रतिमा मलिन हो रही है. लेकिन अमरावती जिले के लिए यह सौभाग्य की बात है कि संघर्षों से जूझते हुए मुकाम हासिल करने वाली और दबंग नेताओं को चोट पहुंचाते हुए दूसरे ही चुनाव में लोकसभा की सदस्या बनने वाली सौ. नवनीत रवि राणा को आम लोगों की आम सांसद के रूप में न केवल अमरावती जिला बल्कि पूरे देश में जाना जाता है.

फौजी पिता की बेटी के मुताबिक राष्ट्र प्रेम तथा राष्ट्रीयता की भावना उन्हें विरासत में मिली है.यही कारण है कि उनके लिए जीवन में राष्ट्र धर्म सर्वप्रथम रहता है. राष्ट्र की भक्ति करने वाले लोगों के साथ उनकी बहुत अच्छी पटती है. वे कहती हैं कि राष्ट्रप्रेम की भावना जिस दिन सभी देशवासियों में आएगी, उसी दिन भारत विश्व का महागुरू बन जाएगा. सम्पन्नता में सादगी की जहां वे प्रतिमूर्ति हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबों के दर्द को समझती हैं. वे कहती हैं कि जीवन में संघर्षपूर्ण स्थिति ही राह दिखाती है. उनकी सादगी का आलम यह रहता है कि दुर्गा उत्सव मंडलों में सांसद रहने के बाद भी महिलाओं के साथ रास-गरबा वाली बात हो अथवा आदिवासी बहुल मेलघाट में आदिवासियों के साथ होली तथा रंगपंचमी खेलने की बात हो, उन्होंने कभी संकोच नहीं किया है. महिलाओं ही नहीं बल्कि युवाओं,




बुजुर्गों की चहेती अभिनेत्री के रूप में उन्होंने लाखों लोगों के दिलों में स्थान बनाया है. प्रभु श्रीराम तथा हनुमानजी की अनन्य भक्त विधायक रवि राणा और सौ. नवनीत राणा की इस जोड़ी ने हनुमान चालीसा के मामले में तत्कालीन सरकार को खुली चुनौती देते हुए जेल में जाना पसंद किया लेकिन अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे. वे कहती हैं धर्म से आचरण और आचरण से संस्कार के साथ ही मन प्रसन्न रहता है. उनका स्पष्ट कहना है कि जो रामजी या हनुमानजी का नहीं है, वह किसी काम का नहीं है. इस मामले में जेल भोगने के बाद भी हार नहीं मानने वाली सांसद नवनीत राणा जहां संवेदनशील नेत्री हैं, वहीं सख्त रवैया अख्तियार करने वाली तथा विकास का विजन रखने वाली नेत्रीभी हैं. बातचीत में जहां अपूर्व उत्साह से वे भरी रहती हैं, वहीं जिले के विकास को लेकर जज्बा अलग रहता है. वे कहती हैं कि जीवन में जितना संभव हो, अच्छे काम, मानवता की सेवा के काम को करने का प्रयास करना चाहिए.

आज के दौर में स्वार्थ की दुनिया में जहां हर व्यक्ति अपने स्वार्थ में लगा रहता है, वहीं कई लोग ऐसे भी हैं, जो इससे हटकर होते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं जिले के विकासार्थ लगातार प्रयासरत रहने वाली जनता की सांसद सौ. नवनीत रवि राणा. जिले को विकास के मामले में सदैव आगे रखने के लिए जहां वे प्रयासरत रहती हैं, वहीं निराधारों, गरीबों, किसानों के हित के लिए सदैव संसद में आवाज उठाती हैं. वीवीआईपी रहने के बाद भी उनकी सादगी सभी को प्रभावित करती है. जिले में वे जहां भी जाती हैं, उन्हें देखने के लिए लोग उमड़ पड़ती हैं. सांसद सौ. नवनीत राणा बचपन से ही संवेदनशील रही हैं. फिल्मी चकाचौंध के बाद जब राजनीति के क्षेत्र में भी कदम रखा तो इस क्षेत्र में भी सबसे आगे रहने वाली उनकी अदा सभी को भा रही है. अमरावती ही नहीं तो अभिनेत्री के रूप में देशभर आत्मीयता, अपनेपन की जहां वे प्रतिमूर्ति हैं, वहीं विपरीत स्थितियों में भी किस तरह खुश रहा जा सकता है, इसकी जिवंत उदाहरण हैं. अपनी तकलीफों को भूलकर दूसरों की चिंता करने वाली महिला हैं. हम कामना करते हैं कि उनकी सभी बलाएं दूर होकर वे खुश, दीर्घायुषी हों, प्रभु चरणों में यही कामना. जन्मदिन पर दीदी आपको अग्रिम ढेर सारी शुभकामनाएं. आपकी हर चाहत पूरी हो. माता रानी के चरणों में यही कामना. जहां सादगी के लिए वे जानी जाती हैं, वहीं जिले के सर्वा गीण विकास के साथ ही युवा स्वाभिमान पार्टी द्वारा जनोपयोगी उपक्रमों के लिए भी पहचानी जाती हैं. विधायक पति रवि राणा जननेता के रूप में न केवल जिले बल्कि विदर्भस्तर पर जहां लोकप्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सांसद नवनीत राणा ने जनता के हित के साथ ही गर्व से कोसों दूर रहती हैं. महिलाओं के अधिकारों के साथ ही गरीबों, निराधारों तथा दिव्यांगों के लिए भी संसद में लगातार आवाज उठाती हैं. वे कहती हैं कि लोगों द्वारा सेवा का जो मौका दिया गया है, वे उसका सोना करने का प्रयास करती हैं.उन्हें जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना. वे कहती हैं कि सेवाभाव कभी झुकने नहीं देता है और समर्पण से काम कभी पीछे नहीं हटने देता है. इसलिए सदैव अच्छा करतें रहें.

**विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.**


विदर्भ स्वाभिमान
नारी तू ही नारायणी

**सदस्यता पंजीयन शुरू**

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

जिले का नाम देश ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने वाली, विकास का विजन,धार्मिक, सामाजिक गतिविधियों को अत्याधिक महत्व देने वाली सांसद

## सौ. नवनीत रवि राणा

को जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आपकी सभी चाहतें पूरी हों, आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु श्रीराम और हनुमानजी की कृपा बनी रहे, यही कामना.

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच परिवार, अमरावती.


# विदर्भ स्वाभिमान

## वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

## भीषण गर्मी दिखाने लगी है खतरनाक असर

**अमरावती** - पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. यही कारण है कि गर्मी के कारण त्राहि-त्राहि वाली स्थिति बन रही है. ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों द्वारा सुबह जल्दी दिनचर्या शुरू करते हुए सुबह जल्दी दिनचर्या शुरू करते हुए जल्द से जल्द काम निपटाने का काम शुरू किया था. सप्ताह भर में गर्मी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है.

# सकारात्मक सोच के साथ खुशियां बांटता है श्री हनुमान युवक मंडल

## वल्लभनगर बन गया नंदनवन, सेवा,समर्पण के साथ ही एक-दूसरे को खुशियां बांटने अग्रणी

कहते हैं कि आज किसी को खुशी देना सबसे कठिन काम होता जा रहा है. स्वार्थ के कारण आपसी नाते-रिश्ते भी प्रभावित होते हैं, ऐसे में रिश्तों की मजबूती के साथ ही स्वार्थ भरी इस दुनिया में जहां अपने ही अपनों की खुशियों से जलने वाली प्रवृत्ति बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर अमरावती शहर में युवाओं का एक ऐसा भी ग्रुप है, जो धर्म, समाजसेवा के साथ ही बुजुर्गों को खुशियां देने का काम करता है. पुरूषोत्तम नगर, वल्लभनगर का श्री हनुमान युवक मंडल क्षेत्रवासियों का अपार प्यार प्राप्त कर रहा है. उसकी पहल की सराहना सर्वत्र की जा रही है. इस तरह का बेहतरीन ग्रुप युवाओं ने तैयार किया है कि युवाओं के साथ ही बुजुर्गों को भी खुशियां बांटने का काम करते हैं. इसकी सराहना सभी करते हैं. राजेश सोलव, सुरेश पोहनकर, विनोद गोले, रामदास खोडे के साथ ही सभी सदस्यों द्वारा लगातार प्रयास किया जाता है. रवि कलसकर जहां हंसाने का काम करता है, वहीं बोरेकार की फोटोग्राफी सभी को प्रभावित करती है.

पुराने तथा मंदिर का कायाकल्प करने के साथ युवाओं की यह टीम क्षेत्र के बुजुर्ग नागरिकों के जन्मदिन पर मिलकर जाते हैं, रवि कलसकर जहां जन्मदिन रहने वाले व्यक्ति तथा उनकी जीवनसंगिनी को फेटा बांधता है, वहीं यह सभी सदस्य जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हैं. इतना ही नहीं तो यहां पर नाश्ते का प्रबंध किया जाता है. इस समय हंसी-मजाक का नजारा संबंधित व्यक्ति को जीवनभर याद रहता है. ऐसे लोगों में कई तो ऐसे भी होते हैं, जिन्होंने जीवन में कभी जन्मदिन नहीं मनाया होता है. यह सभी मध्यम आर्थिक स्थिति वाले तथा निजी नौकरी या छोटा-मोटा व्यवसाय करने वाले होते हैं. वल्लभनगर और पुरूषोत्तम कालनी ही नहीं बल्कि धार्मिक कामों में क्षेत्र के युवकों द्वारा छाया कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों का सहयोग लिया जाता है. पिछले 35 वर्षों के इतिहास वाले मंदिर के नए सेवकों ने सराहनीय कदम उठाया और मंडल के योगदानकर्ताओं और कार्यकर्ताओं का जन्मदिन मनाने का संकल्प लिया. 35 साल से यहां हनुमानजी का मंदिर है. यह मंदिर जागृत मंदिर के रूप में ख्यातिप्राप्त है. युवाओं के प्रयासों से मंदिर का कायाकल्प होने के साथ ही पूरा बगीचा परिसर स्वच्छ किया गया है. इतना ही नहीं तो कल तक जो क्षेत्र असामाजिक तत्वों का अड्?डा होता था, इन युवाओं के प्रयास से आज वह नंदनवन बन गया है. उत्साही युवा कार्यकर्ता रवि कलसकर कार्यक्रम का संचालन करने के साथ ही जन्मदिन रहने वाले दम्पति को फेटा बांधने का काम करता है. सभी व्यस्त रहने के बाद भी सामूहिक खुशियों के लिए समय निकाल लेते हैं. इसमें सुरेश पोहनकर, विनोद गोले के साथ ही नरेश पटमासे, राजेश सोलव, अतुल बोरेकर, कैलास वानखड़े, ज्ञानेश्वर रत्नपारखी, राजेंद्र इंगोले, गजानन कोल्हे, प्रदीप कलसकर के साथ ही अन्य युवक शामिल होते हैं. दो दिन पहले ही बुजुर्ग अरूणराव खेडकर के जन्मदिन पर मंडल के सभी सदस्यों द्वारा उनका सत्कार कर शुभकामनाएं देने पर वे भावुक हो गए. राजेश सोलव के मुताबिक प्रेम, भाईचारा बढ़ाने के लिए एक-दूसरे को सम्मान देने की उनकी यह कोशिश है, जिसे सभी का सहयोग और समर्थन मिल रहा है.मंडल के सबसे उम्दराज लेकिन उत्साह से ओतप्रोत रहने वाले सुरेश पोहनकर के मुताबिक खुशियां बांटने से बढ़ती हैं. इसमें भी बुजुर्गों के लिए इस तरह का पल यादगार रहता है, जिसे वे कभी नहीं भूलते हैं. मंडल के युवाओं की यह पहल निश्चित ही सराहनीय है.


# खुशियों के हर प्रकार के रंग

## उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

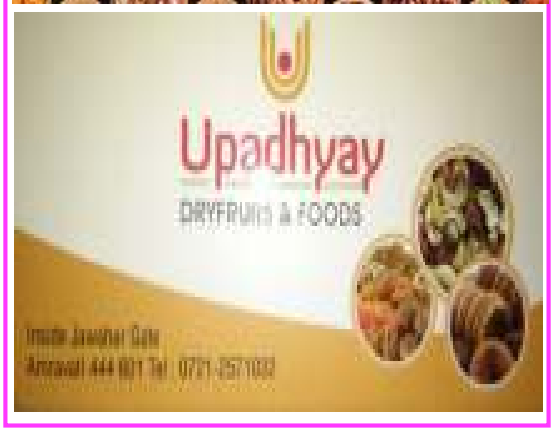

# संवाददाता चाहिए

**अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.**

हमारा पता

**विदर्भ स्वाभिमान अखबार**

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139


# हरियाणा जलेबी बन रही है लोगों की पसंद, लगती है भीड़

अमरावती- कहते हैं कि अगर आपमें करने की कुछ करने की तैयारी है, मेहनत से डरने वाली मानसिकता नहीं है तो आप हर जगह सफल होंगे. इस बात को साबित किया है स्थानीय रविनगर चौक में ग्राहकों का अपार विश्वास और प्यार पाने वाले हरियाणा स्पेशल जलेबी के संचालक सुरेश एवं मित्र काना राम सैन ने. इन दोनों युवाओं के हाथों में जादू है. दुकान में मावा जलेबी, सादी जलेबी, मूंग भजिये के साथ ही बालू शाही का स्वाद जैसे लोगों को प्रभावित करता है. दोनों ही भाईयों की समझदारी के साथ ही उनके हाथ का जादू है कि दुकान सुबह खुलने से लेकर बंद होने तक ग्राहकों की भीड़ रहती है. दोनों बताते हैं कि गुणवत्ता के मामले में वे कभी समझौता नहीं करते हैं. नाश्ता करने के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राहकों द्वारा यहां से पूरे परिवार के लिए नाश्ता ले जाया जाता है. दोनों ही भाईयों की मेहनत के साथ ही काम के प्रति समर्पण भी महत्वपूर्ण है. वे कहते हैं कि अगर मेहनत करने की तैयारी है तो मंजिल आसानी से मिलती है. यहां की जलेबी सहित मूंग भजिये बेजोड़ रहते हैं.

## हर घर में हो यह किताब

*माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.*

मो. 9423426199/8855019189

## बडनेरा स्टेशन प्रबंधक पी.के. सिन्हा निवृत्त,भावभीनी विदाई

*क़र्मठ अधिकारी के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने की सराहना*

बडनेरा - अधिकार सम्पन्न रहने के बाद भी कुछ ही अधिकारी ऐसे होते हैं, जिन्हें अपार चाहत और लोकप्रियता मिलती है. अपने कार्यों से जहां टीम लीडर के रूप में अपना स्थान बनाते हैं, वहीं सभी को साथ लेकर सम्मान के साथ चलने का माद्दा रखते हैं, ऐसे ही अधिकारियों में समावेश होता है बडनेरा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर पूर्णेन्द्रकुमार सिन्हा का. बडनेरा स्टेशन से वे 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुए हैं, सर्वप्रथम उन्हें सुखमय भावी जीवन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे बेहतरीन अधिकारी के साथ ही रेलवे की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने के लिए यात्रियों की बात सुनते हुए उसका समाधान करने वाले अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं. यही कारण है कि कई बार कोई बड़ी समस्या आने के के बाद रेलवे के बड़े अधिकारी उन्हें याद करते थे. बडनेरा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें विदाई देते हुए पी.के.सिन्हा तथा जीवन संगिनी रीता सिन्हा का सत्कार किया गया. इस मौके पर सहयोगियों ने जहां उन्हें बेहतरीन अधिकारी बताते हुए उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की, वहीं दूसरी ओर सभी अधीनस्थों और सहयोगियों से सदैव मिले प्रेम के लिए उन्हों ने भी सभी के प्रति कृतज्ञता जताई. सभी सहयोगियों ने उन्हें विदाई दी.

## गुरूवार 14 से 20 मार्च 2024

**मेष**

यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

**वृषभ**

शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.

**मिथुन**

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

**कर्क**

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

**सिंह**

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

**कन्या**

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

**तुला**

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

**वृश्चिक**

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

**धनु**

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

**मकर**

माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

**कुंभ**

आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा.

**मीन**

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

# सदैव नायक और प्रेरणादायी होती है मां

## विनम्र आदरांजलि : आदर्श संस्कारों की जननी थीं मातोश्री श्रीमती सुगनबाईजी गांग

क़हते हैं कि जीवन में कुछ रिश्ते अनमोल ही नहीं बल्कि त्याग के सर्वो च्च होते हैं, ऐसे रिश्तों में माता-पिता का प्रमुखता से स्थान होता है. मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है. मां ही ऐसी सृजन की जननी होती है जो अपनी जिंदगी दांव पर लगाकर भी खुश होती है. वर्ना प्रसूति का समय मां के जिंदगी के संकट वाला समय भी होता है. लेकिन वही ऐसी होती है जो हर स्थिति में परिवार को तारने और संवारने का काम करती है. बडनेरा निवासी तथा राष्ट्रीय स्तर के समाजसेवी सुदर्शन गांग तथा परिवार की मां श्रीमती सुगनबाई गांग भी ममता की जहां मूरत थीं, वहीं आदर्श संस्कार, संकटों से भी रास्ता निकालने वाली किसी नायक से कम नहीं थी. आज भी मां की यादों को बताते हुए आंखें नम हो जाती हैं. परिवार को जहां विपरीत स्थितियों में भी उन्होंने संवारने का काम किया, वहीं अगर गांग परिवार आज न केवल बडनेरा, अमरावती अगर राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर सेवाभाव, व्यवसाय, हर क्षेत्र में शानदार कामयाबी हासिल कर रहा है तो इसका पूरा श्रेय मातोश्री श्रीमती सुगनबाईजी पुखराजजी गांग क़ो जाता है. बातचीत के दौरान पुत्र सुदर्शन गांग बताते हैं कि पिताजी के स्वर्गवास के बाद घर की आर्थिक स्थिति बहुत अधिक ठीक नहीं थी, बड़े रहने के कारण उन्हें यही परेशानी सता रही थी. लेकिन नायक के रूप में मां ने सदैव हिम्मत दी और हर स्थिति में रास्ता निकालने की प्रेरणा दी. मां के शब्द भी कई बार

कितने चमत्कारी होते हैं, यही कारण है कि उन्होंने अपने मां के जीवन में नायक का ही सदैव अनुभव किया है. मां की ममता जहां मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर मां ही ऐसी ताकत होती है जो हर असंभव को भी संभव बनाने का काम करती है. 91 साल की उम्र में भी स्वस्थ रहने के साथ ही धार्मिकता से ओतप्रोत रहने और धर्म-कर्म करने वाली मातोश्री श्रीमती सुगनबाईजी पुखराजजी गांग ने जहां पूरे परिवार को संभाला, वहीं बच्चों को ऐसे आदर्श संस्कार, आचार-विचार दिए कि तीनों पीढ़ियां अपने क्षेत्र में नाम रोशन कर रही हैं. बात चाहे व्यावसायिक सफलता की हो, पारिवारिक एकता अथवा समझदारी की हो, हर बेटे की शालीनता निश्चित ही उनकी ममतामयी छांव के चमत्कार के दर्शन कर सकती है.

समूचे विश्व में मां की ममता ही ऐसी है, जो अनमोल है, जिसका पूरा जीवन अर्पित करने के बाद भी मोल नहीं हो सकता है. मातोश्री श्रीमती सुगनबाईजी पुखराजजी गांग धार्मिकता से परिपूर्ण महिला थी. 91 वर्ष की उम्र में उनका स्वर्गवास हो गया.उन्हें यद्यपि इस दुनिया को छोड़े एक साल हो गया है लेकिन आज भी उनके विचार, आदर्श और सीख यह मानने के लिए तैयार नहीं होने देती कि वे इस नश्वर संसार में अब नहीं नहीं हैं. लेकिन विधाता के विधान को भला कौन तोड़ पाया है, जो आया है, उसे जाना ही है. लेकिन वह किस तरह दुनिया से विदा हुआ है, इसको महत्व रहता है.आदर्श संस्कारों की जननी रहने वाली श्रीमती सुगनबाईजी गांग के प्रथम स्मृति दिवस पर विनम्र आदरांजलि. प्रभु उन्हें अपने चरणों में स्थान दें, यही कामना.इस उपलक्ष्य में मां के आदर्श संस्कारों पर अमल करते हुए गांग परिवार द्वारा विभिन्न सामाजिक उपक्रमों का 4 अप्रैल को आयोजन किया गया है. सेवा, समाजहित और राष्ट्रहित के साथ ही पर्यावरण संतुलन सहित सभी आदर्श सीख मातोश्री ने दी थी. उन्हें आज विनम्र पुष्पांजलि.

**विदर्भ स्वाभिमान परिवार.**

*गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

*फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.*

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

# उम्र के ५० बाद चिंतन करना शुरू करें

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. हम क्या थे, क्या हैं और प्रभु ने हमें कितना दिया है, इसके लिए प्रभु का आभार जताने के साथ ही बने तक प्रयास करें कि जिन लोगों के कारण हमारी प्रगति हुई है, उन लोगों को हमने क्या दिया, यह भाव जिस दिन सम्पत्रों में आ जाएगा, उस दिन से समर्पण और निष्ठा जैसे शब्दों को बट्टा कभी नहीं लगेगा. कोई भी काम एकतरफा गलत होता है. मालिक अपने अधीनस्थों से समर्पण,निष्ठा की चाहत रखता है, लेकिन थोड़ी सी परेशानी आने पर हाथ झटक देता है, ऐसे में क्या समर्पण की सोच कर्मचारी रखेंगे. सोचना चाहिए.


# विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार


समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

पूज्य बाबूजी स्व.जमुनाप्रसाद पारसनाथजी दुबे कहते थे कि माता-पिता जीवन की ऐसी महानता होते हैं कि उनके उपकार का परतावा इस जीवन में कभी नहीं हो सकता है. केवल उन्हें खुश रखते हुए उनके आशिर्वाद प्राप्त करना और उन्हें हर तरह की खुशी देने का प्रयास हम कर सकते हैं. लेकिन आजकल कई मामले में यह भी संभव नहीं होना चिंता की बात होती है.


## विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

**Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com**